[This Question Paper contains 02 (Two) printed pages]

**Serial Number of the Question Paper** : 8151 **Your Roll No.**

Unique Paper Code : **62136941**

Name of the Course : **B. A. (Programme)** Sanskrit (SEC) GC

Name of the Paper : **AEEC - 2: Indian Architecture System**

Semester : **III**

Time : 03 Hours
समय : 03 घण्टे

Maximum Marks : **75**
पूर्णाङ्क : 75

**Instruction for Candidates:**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिये निर्देश:**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिये।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

1. निम्नलिखित प्रत्येक वर्ग में से **किसी एक** पद्य की व्याख्या कीजिये। **4 x 5 = 20**
   Explain **any one** of the following verse from each section :

A (i) निरूपयामो विदुषां सन्तुष्ट्यै वास्तुनिर्णयम्।
यथामति धनारोग्यसौख्यकीर्तिविवृद्धये॥

(ii) चैत्ये भयं ग्रहकृतं वल्मीकश्वभ्रसङ्कुले विपदः
गर्तायान्तु पिपासा कूर्माकारे धनविनाशः॥

B (i) जलान्तं प्रस्तरान्तं वा पुरुषान्तमथापि वा
क्षेत्रं संशोध्य वोद्धृत्य शल्यं सदनमारभेत्॥

(ii) मुखाद् द्वितीया खलु वामकुक्षिस्तृतीयदिक्पुच्छमितोऽस्य वामा।
कुक्षिस्तु वास्तोः पुरुषस्य तत्र खातं विधेयं प्रथमं गृहादौ॥

C (i) चत्वारिंशद्धीनाश्चतुश्चतुर्भिस्तु पञ्च यावदिति।
षड्भागयुता दैर्घ्या दैवज्ञपुरोधसोर्भिषजः॥

(ii) उत्तरशालाहीनं हिरण्यनाभं त्रिशालकं धन्यम्।
प्राक्शालया वियुक्तं सुक्षेत्रं वृद्धिदं वास्तु॥

D (i) शत्रुवृद्धिः पुत्रप्राप्तिर्लक्ष्मीप्राप्तिर्धनागमः ।
सौभाग्यं धनलाभश्च दुःखं शोकं च पश्चिमे ॥

(ii) द्वारोच्छ्रायद्विगुणितां त्यक्त्वा भूमिं बहिः स्थितः ।
न दोषाय भवेद्वेधो गृहस्य गृहिणोऽथवा ॥

2. निम्नलिखित ए और डी वर्ग में से **किसी एक** पर तथा बी और सी वर्ग में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **6 x 5 = 30**
Write short notes on **any one** from A & D section and **any two** from B & C section of the following:

**A**

(i) श्रौत और स्मार्त क्रियायें Śrauta and Smārta Kriyā (ii) वास्तुनर Vāstunara

**B**

(i) भूमि पर रेखाकरण Drawing Rekhā at the land for construction (ii) स्तम्भारोपण Stambhāropaṇa
(iii) षड्वर्गपरिशोधन Ṣadvargapariśodhana (iv) शिलान्यास Laying the Foundation Stone

**C**

(i) वर्धमान वास्तु Vardhamāna Vāstu (ii) युवराजगृह परिमाण Measurements of the House of Prince
(iii) पक्षघ्न वास्तु Pakṣaghna Vāstu (iv) प्रलीनक स्तम्भ Pralīnaka Pillar

**D**

(i) द्वार-प्रमाण Dimensions of Door (ii) वास्तुविद्या में मर्मस्थान Marmasthāna in Vāstuvidyā

3. गृहनिर्माण के लिये किस प्रकार की भूमि प्रशस्त कही गयी है, विस्तार से लिखिये । **15**
Write in detail the appropriate land for the construction of House.

**अथवा (Or)**

वास्तुसौख्यम् में भूमिपरीक्षण हेतु किस प्रकार के शकुनों को महत्त्व दिया गया है, तार्किक दृष्टि से विवेचना कीजिये ।
Discuss logically the importance of Omens in examining the land for construction in Vāstusaukhyam.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर अति संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **5 x 2 = 10**
Write very short notes on **any two** of the following:

(i) सदन Sadana (ii) साम्वत्सर Sāmvatsara
(iii) राजमहिषी Rājamahisī (iv) व्यास Diameter
(v) उपतुला Upatulā